प्रदूषण की जाँच के लिये ज़िलों में समन्वय पैनल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने **प्रभावी** [प्रदूषण नियंत्रण **उपायों**] के लिये विभिन्न विभागों के अधिकारियों को शामिल करते हुए **समन्वय समितियों के गठन का आह्वान** किया।

मुख्य बिंदु:

- मुख्य सचिव ने **रोहतक, पानीपत और करनाल ज़िलों में नालों में सीवेज जल छोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध** लगाने का भी आदेश दिया।
- सरकार ने **पानीपत ज़िले के 80 गाँवों में** उत्पन्न होने वाले **32.7 प्रतिदिन मिलियन लीटर (MLD)** [सीवेज के उपचार] **और डायवर्ज़न** के लिये एक कार्य योजना तैयार की थी।
- इस पहल के हिस्से के रूप में, 38 **गाँवों** में त्रि-स्तरीय तालाब प्रणाली का उपयोग करके **सीवेज उपचार** को **सफलतापूर्वक लागू किया गया है,** जबकि **42 अन्य गाँवों में शुद्धिकरण प्रक्रियाएँ** वर्तमान में चल रही हैं।
- **मौजूदा सीवेज उपचार** बुनियादी ढाँचे में **सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं।**
- [**स्थायी जल प्रबंधन**] प्रथाओं के अनुरूप, पूरे राज्य में **सूक्ष्म सिंचाई उद्देश्यों के ये उपचारित सीवेज जल का पुन: उपयोग करने के लिये** एक रूपरेखा तैयार की गई है।
- पानीपत में **'सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से सिंचाई प्रयोजन के लिये उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग'** पर परियोजना के चरण - **I** का कार्यान्वयन।
- चरण - **II** पहल का उद्देश्य **सिंचाई प्रथाओं तथा पर्यावरणीय स्थिरता को और बढ़ाना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/coordination-panels-in-districts-to-check-pollution